कृषि विज्ञानं केंद्र, बरेली द्वारा विश्व मृदा दिवस का आयोजन

। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. आर.के.सिंह, अध्यक्ष, कृषि विज्ञानं केंद्र, बरेली ने की । इस अवसर पर अपने सम्बोधन में उनहोंने बताया कि प्राचीनकाल से हमारे ऋषि मुनि मृदा के महत्व पर चिंतन करते और समय - समय पर इसके महत्व को बताते रहे हैं। उन्होंने बताया कि हमारी जीवन शैली तथा कृषि कि प्राथमिकताओं में बदलाव ही मृदा स्वास्थ्य कि दयनीय स्थिति का प्रमुख कारण है। इस अवसर पर उपस्थित जिला कृषि अधिकारी श्री धीरेन्द्र सिंह चौधरी ने जैविक खेती, उर्वरकों एवं कीटनाशकों को सही मात्रा में और सही समय से अपनाने का सुझाव दिया । श्री विनीत पाठक कृषि विभाग, बरेली ने विश्व मृदा दिवस-२०१८ के विषय "मृदा प्रदुषण को रोकना" के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि काम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए मृदा परीक्षण एक उपयोगी तकनीक है । श्री राकेश पांडे, कृषि विज्ञानं केंद्र ने मृदा स्वास्थ्य, मृदा परीक्षण, तथा मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन के साथ-साथ सामयिक फसलों की भी जानकारी दी। कु. वाणी यादव कृषि विज्ञानं केंद्र ने सभी कृषकों को कृषि विज्ञानं केंद्र की मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला का भ्रमण कराते हुए उन्हें मृदा परीक्षण की प्रायोगिक जानकारी दी । श्री रंजीत सिंह कृषि विज्ञानं केंद्र ने औद्यानिक फसलों में मृदा स्वास्थ्य का महत्व विषय पर जानकारी देने के साथ-साथ कार्यक्रम का संचालन भी किया । इस अवसर पर कृषि विज्ञानं केंद्र द्वारा २५ कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्डों के वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में ४९ कृषि प्रसार अधिकारिओं तथा कार्यकर्ताओं के साथ-साथ १३ विकास खण्डों के ७९ किसानों ने भाग लिया।